|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 02. März 2025 | | |
| **8. Sonntag im Jahreskreis C** | | |
| Erste Lesung: Sir 27,4-7; Zweite Lesung:1 Kor 15,54-58; Evangelium: Lk 6,39-45 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 81, 1+3+6+7 | Lobet den Herren |
|  | GL 140, 1-3 | Kommt herbei |
|  | GL 149, 1+2! | Liebster Jesu |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 151 | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 167 | Dir Gott im Himmel |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 92, 2-3.13-16 |  |
|  | Kehrvers: GL 401 | Lobet den Herren |
|  | GL 449, 1+2 | Herr, wir hören auf dein Wort |
|  |  |  |
| Halleluja: | Ruf: GL 174, 8 |  |
|  | *Haltet fest am Worte Christi;* |  |
|  | *Dann leuchtet ihr als Lichter der Welt.* |  |
|  |  |  |
| Credo: | GL 354 | Gott ist dreifaltig einer |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 399, 1-4 | Gott loben in der Stille |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  | GL 457, 1-3 | Suchen und fragen |
|  | GL 188 | Nimm, o Gott |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 195 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 414, 1-5 | Herr, unser Herr |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 455, 1+3! | Alles meinem Gott zu Ehren |
|  | GL 456, 4 | Vater unsres Lebens |